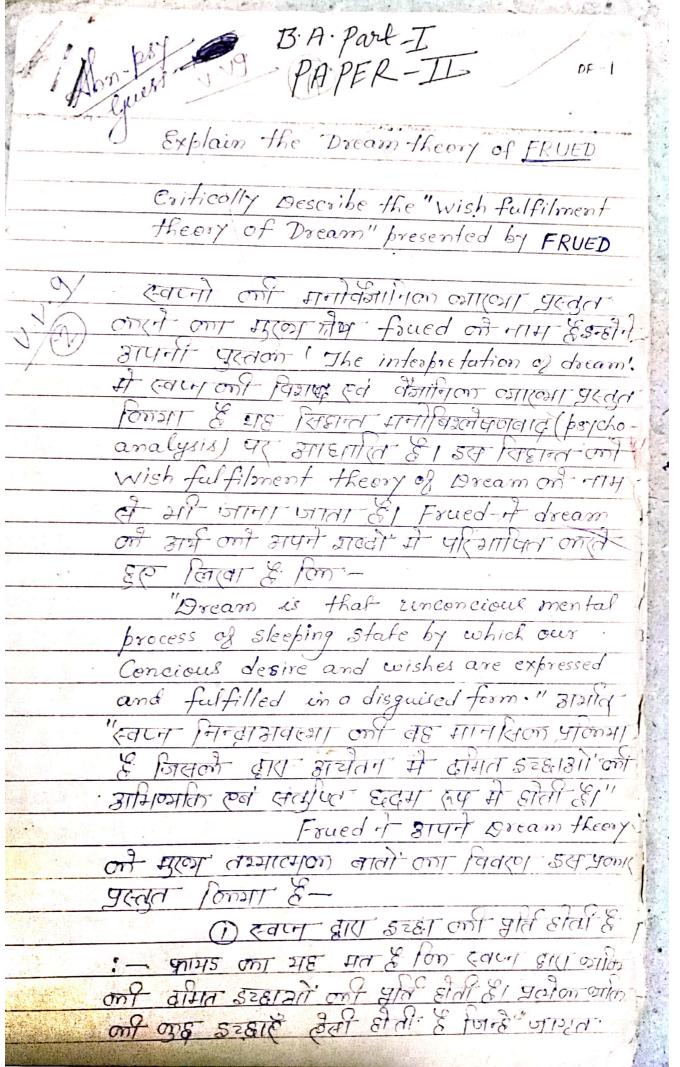
## Psychology Hons. B.A. Part 1st Paper 2nd



2

अवल्या में प्रति नहीं होता है क्योंनिक उन्हें समाज कार विस्टा का सामणा काला पड़ता है। अतः अनका इरकाशों का देगम ही जाता है जी चेतन हता ले हर कार अरोतन अन में चली जाता है लीकन अरोतन में पहुँचने की बाद भी भे दिशत इस्तिहें पूर्ण िमाण्याम् मही होता है नालक वह आंग्रेकाल होगा चाहता है इस्मिल जिल क्यों नी द की अवस्था में होता है तो ग्रह दीमत इन्हा अपने तप में परिवार्तत होना स्वाम में अभिग्नात होता है नामिन समादिन सेन्स्रिय महा भी लागू होती है। हवनों ये आहा कांशतः शीन गा कांगुका दी सम्बोधत स्वर्ग्छीता है जागीका जाकि जो इन इरहाओं जा द्वीत आनेका जार्जों से चेतन में नहीं निकार जा स्वाता है उदाह्का की लिए कोई युवात किर्म में मुन्यु व्यवकारी योन तमवहा त्यापित काला दाहती है परन स्माणिक हवं संस्कृतिक संस्कारों की कार्य वंह येतन में अस इरहा की मीर गही का स्वाता ह उगेर वह चैतन का दमन कर देती है। टेवी ही दमित डच्हामों की वित त्वंपन में होती है।

2. यौन इच्हामों जा विशेष महत्व:
व्यक्ति की स्वप्तों में सर्वाह्मिका विषम औंन इच्हामों

मा काम से- सम्बंह्मित होता है इसका कारण

है कि व्यक्ति की बहुत सारी यौन के इच्हामों की

तिम संगव नहीं हैं कायों कि व्यक्ति का इप्हेहर हैं कु

इन यौन इच्हामों की सीम पर को रोक्त का गता